Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 25 October 2024

Dainik Jagran Page - 06

नेपाल से शैक्षिक रिश्ते मजबूत कर लौटा गोवि का प्रतिनिधिमंडल

- काठमांडू के त्रिभुवन विश्वविद्यालय में हुई संगोष्ठी में प्रतिनिधिमंडल ने किया प्रतिभाग
- जलवायु परिवर्तन में उन्नत सामग्री विषय पर हुई संगोष्ठी को कुलपति ने किया संबोधित

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नेपाल से शैक्षणिक व सांस्कृतिक रिश्ते को मजबूत करके दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय काठमांडू से लौट आया है। मंगलवार को नेपाल के भारतीय दूतावास में रिश्तों को मजबूती देने के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय और गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल संकल्पित हुए। बुधवार को त्रिभुवन विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित संगोष्ठी में दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने सहयोग के लिए प्रतिबद्धता जताई। इस आयोजन से उन्नत सामग्री और उनके उपयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श और ज्ञान-विनिमय के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच मिला।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सतत शैक्षिक विकास के लिए उन्नत सामग्री और सहयोग पर अपना संबोधन केंद्रित रखा। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीक पर जोर दिया। कहा कि तकनीक की उन्नत सामग्री विज्ञान अनुसंधान को नया आयाम दे सकती है। सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केशर जंग बराल ने अपने अतिथि व्याख्यान में प्राकृतिक बुद्धिमत्ता, कठोर परिश्रम, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सफलता की कुंजी हैं। इस अवसर पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय के प्रो. एमएल शर्मा, प्रो. रामेश्वर अधिकारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. दिनेश यादव, प्रो. राजर्षि कुमार गौड़, डा. रामवंत गुप्ता, डा. अम्बरीश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

शिक्षा व अनुसंधान के वैश्वीकरण के लिए हुआ अनुबंध : गोरखपुर विश्वविद्यालय और त्रिभुवन विश्वविद्यालय के बीच शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के लिए अनुबंध हुआ। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन और त्रिभुवन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केशर जंग बराल ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध निदेशक डा. विनोद जोशी ने अनुबंध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय के द्वार प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैविक विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप और शोध परियोजनाओं के लिए खुले हैं।

Amar Ujala Page - 08

शैक्षणिक व वैश्विक शोध में मिल कर काम करेंगे डीडीयू और टीयू

कुलपति के नेतृत्व में तीन दिवसीय दौरे पर गया था प्रतिनिधिमंडल

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। नेपाल से शैक्षणिक व सांस्कृतिक रिश्ते को मजबूत करके गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) का प्रतिनिधिमंडल काठमांडू से लौट आया है। बुधवार को त्रिभुवन विश्वविद्यालय (टीयू) की ओर से आयोजित संगोष्ठी में दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। इस आयोजन से उन्नत सामग्री और उनके उपयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श और ज्ञान-विनिमय के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच मिला।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सतत शैक्षिक विकास के लिए उन्नत सामग्री और सहयोग पर अपना संबोधन केंद्रित रखा। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीक पर जोर दिया। कहा कि तकनीक की उन्नत सामग्री विज्ञान अनुसंधान को नया आयाम दे सकती है। सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केशर जंग बराल ने अपने अतिथि व्याख्यान में कहा कि प्राकृतिक बुद्धिमत्ता, कठोर परिश्रम, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सफलता की कुंजी हैं। इस अवसर पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय के प्रो. एमएल शर्मा, प्रो. रामेश्वर अधिकारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. दिनेश यादव, प्रो. राजर्षि कुमार गौड़, डा. रामवंत गुप्ता, डा. अम्बरीश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

दोनों संस्थान साथ मिलकर कृत्रिम और डेटा विज्ञान पर करेंगे काम

शिक्षा व अनुसंधान के वैश्वीकरण के लिए हुआ अनुबंध

संगोष्ठी के बाद गोरखपुर विश्वविद्यालय और त्रिभुवन विश्वविद्यालय के बीच शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के लिए अनुबंध हुआ। गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. पूनम टंडन और त्रिभुवन विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. केशर जंग बराल ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान त्रिभुवन विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध निदेशक डा. विनोद जोशी ने अनुबंध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक और अनुसंधान में समान रुचि है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय के द्वार प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैविक विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप और शोध परियोजनाओं के लिए खुले हैं।

Hindustan Page - 07

नेपाल से लौटा डीडीयू का प्रतिनिधिमंडल

गोरखपुर, निज संवाददाता। नेपाल से शैक्षणिक व सांस्कृतिक रिश्ते को मजबूत करके दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधिमंडल काठमांडू से लौट आया है। नेपाल के भारतीय दूतावास में रिश्तों को मजबूती देने के लिए त्रिभुवन विश्वविद्यालय और दो दिवसीय दौरे पर गए डीडीयू के प्रतिनिधिमंडल ने संकल्प लिया। इस दौरान त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा संगोष्ठी भी आयोजित हुई।

उद्घाटन सत्र में डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सतत शैक्षिक विकास के लिए उन्नत सामग्री और सहयोग का भरोसा दिया। संगोष्ठी के बाद डीडीयू और त्रिभुवन विश्वविद्यालय के बीच शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के लिए एमओयू हुआ। दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

Amar Ujala Select Page - 04

शैक्षणिक व वैश्विक शोध में मिल कर काम करेंगे डीडीयू और टीयू

गोरखपुर। नेपाल से शैक्षणिक व सांस्कृतिक रिश्ते को मजबूत करके गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) का प्रतिनिधिमंडल काठमांडू से लौट आया है। बुधवार को त्रिभुवन विश्वविद्यालय (टीयू) की ओर से आयोजित संगोष्ठी में दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। इस आयोजन से उन्नत सामग्री और उनके उपयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श और ज्ञान-विनिमय के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच मिला।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सतत शैक्षिक विकास के लिए उन्नत सामग्री और सहयोग पर अपना संबोधन केंद्रित रखा। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीक पर जोर दिया। कहा कि तकनीक की उन्नत सामग्री विज्ञान अनुसंधान को नया आयाम दे सकती है। सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केशर जंग बराल ने अपने अतिथि व्याख्यान में कहा कि प्राकृतिक बुद्धिमत्ता, कठोर परिश्रम, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सफलता की कुंजी हैं। इस अवसर पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय के प्रो. एमएल शर्मा, प्रो. रामेश्वर अधिकारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. दिनेश यादव, प्रो. राजर्षि कुमार गौड़, डा. रामवंत गुप्ता, डा. अम्बरीश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

कुलपति के नेतृत्व में तीन दिवसीय दौरे पर गया था प्रतिनिधिमंडल

शिक्षा व अनुसंधान के वैश्वीकरण के लिए हुआ अनुबंध

संगोष्ठी के बाद गोरखपुर विश्वविद्यालय और त्रिभुवन विश्वविद्यालय के बीच शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के लिए अनुबंध हुआ। गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. पूनम टंडन और त्रिभुवन विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. केशर जंग बराल ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान त्रिभुवन विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध निदेशक डा. विनोद जोशी ने अनुबंध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक और अनुसंधान में समान रुचि है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय के द्वार प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैविक विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप और शोध परियोजनाओं के लिए खुले हैं।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में चितवन को प्रथम तो प्रकाश को दूसरा स्थान

गोवि में हुई स्वर्गीय कमला बहुगुणा स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता की विजेता चितवन मिश्रा व अन्य प्रतिभागी • सौ. गोवि

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण और हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार को कमल बहुगुणा जन्म शताब्दी वर्ष पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। 'क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है?' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में अपने तर्कों से चितवन मिश्रा ने निर्णायक मंडल का दिल जीत लिया और पहला स्थान प्राप्त किया। प्रकाश पांडेय को दूसरा और अंजलि शर्मा को तीसरा स्थान मिला।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रो. पूनम टंडन ने महिला समानता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि महिला अपने आप में सशक्त है, समाज को उसे कमजोर मानने के नजरिए को बदलना होगा। आज महिला समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपने को स्थापित कर रही है। गोरखपुर विश्वविद्यालय स्वयं महिला समानता और सशक्तिकरण का एक ज्वलंत उदाहरण है, जहां सर्वाधिक मेडल बेटियां प्राप्त करती हैं। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने करते हुए कहा कि महिला को समान अवसर मिलने पर ही समाज सशक्त और विकसित होगा। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित प्रतिभागी चितवन मिश्रा को लखनऊ में आयोजित प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में भेजा जायेगा। निर्णायक मंडल में प्रो. संगीता पांडेय, प्रो. वीना बत्रा कुशवाहा व प्रो. अनुराग द्विवेदी रहे। डा. मनीष पांडेय ने संचालन और आभार ज्ञापन डा. मनोज श्रीवास्तव ने किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में कुल 80 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में चितवन मिश्रा को प्रथम स्थान

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं हेमवती नन्दन बहुगुणा स्मृति समिति के तत्वावधान में कमला बहुगुणा जन्म शताब्दी वर्ष पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। विषय 'क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है' था। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चितवन मिश्रा, द्वितीय स्थान प्रकाश पांडेय एवं तृतीय स्थान अंजलि शर्मा को मिला।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि महिला अपने आप में सशक्त है। समाज को उसे कमजोर मानने के नजरिए को बदलना होगा। गोरखपुर विश्वविद्यालय स्वयं महिला समानता और सशक्तीकरण का ज्वलंत उदाहरण है, जहां सर्वाधिक मेडल बेटियां प्राप्त करती हैं। अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने करते हुए कहा कि महिला को समान अवसर मिलने पर ही समाज सशक्त और विकसित होगा। संवाद

क्वांटम भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान में गहरा संबंध

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला गुरुवार को सम्पन्न हुई। गुरुत्वाकर्षण एवं ब्रह्मांड विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए जादवपुर विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो. सोबेनाय चक्रवर्ती ने कहा कि क्वांटम भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान के बीच गहरे संबंध हैं। यह संबंध ब्रह्मांडीय विकास और गुरुत्वाकर्षण के जटिल सिद्धांतों को स्पष्ट करता है।

नेहू यूनिवर्सिटी शिलांग के प्रो. जिबितेश दत्ता ने ब्रह्मांड के विस्तार और ब्रह्मांडीय मंडल पर चर्चा की। उन्होंने ब्रह्मांड की संरचना, स्ट्रक्चरल स्थिरता और ब्रह्मांडीय मंडल का गतिकीय तंत्र और सामान्य सापेक्षता के बीच जटिल संबंधों पर गहराई से बात की। इस सत्र में प्रतिभागियों ने ब्रह्मांडीय रहस्यों और उसकी संरचना को बेहतर तरीके से समझने के लिए कई सवाल किए और उनका समाधान प्राप्त किया। खगोल विज्ञान व खगोल भौतिकी अंतर विश्वविद्यालय केंद्र के प्रो. अद्यतिम गांगुली ने गुरुत्वाकर्षण तरंग विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने पाईथन साफ्टवेयर से गुरुत्वाकर्षण-तरंग अध्ययन में डाटा एनालिसिस के महत्व को समझाया।

कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के अलावा, पंजाब, बिहार, इंदौर, कोलकाता, बैंगलुरू, पुणे के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र आदि मौजूद रहे।

Super Fast Times

डीडीयू में स्व. कमला बहुगुणा स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता संपन्न, चितवन आई प्रथम

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं हेमवती नन्दन बहुगुणा स्मृति समिति उ.प्र. के संयुक्त तत्वावधान में स्व. कमला बहुगुणा जन्म शताब्दी वर्ष पर "क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है?" विषय पर वाद- विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चितवन मिश्रा, द्वितीय स्थान प्रकाश पाण्डेय एवं तृतीय स्थान अंजलि शर्मा को मिला।

कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर चयनित प्रतिभागी को लखनऊ में आयोजित फाइनल प्रतियोगिता में भेजा जायेगा। वाद-विवाद प्रतियोगिता में कुल 80 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जबकि श्रोताओं के रूप 300 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने महिला समानता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि महिला अपने आप में सशक्त है, समाज को उसे कमजोर मानने के नजरिए को बदलना होगा। आज महिला समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपने को स्थापित कर रही है। गोरखपुर विश्वविद्यालय स्वयं महिला समानता और सशक्तिकरण का एक ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ सर्वाधिक मेडल बेटियाँ प्राप्त करती हैं। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने करते हुए कहा कि महिला को समान अवसर मिलने पर ही समाज सशक्त और विकसित होगा। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में समाजशास्त्र विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. संगीता पाण्डेय, प्राणि विज्ञान विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. वीना बत्रा कुशवाहा एवं समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ मनीष पाण्डेय ने संचालन किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनोज कुमार श्रीवस्तव ने हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति की तरफ से विश्वविद्यालय के प्रति आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता के पश्चात प्रथम तीन प्रतिभागी को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही 80 प्रतिभागियों को सहभागिता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम आए प्रतिभागी को लखनऊ में आयोजित मुख्य प्रतियोगिता में सम्मिलित होना होगा। जहाँ क्रमशः रू 51,000.00 का प्रथम पुरस्कार, रू 31,000.00 का द्वितीय पुरस्कार, रू 21,000.00 तृतीय पुरस्कार एवं अन्य को रू 2100.00 का सांत्वना पुरस्कार व ट्राफी दिया जायेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, सहायक अधिष्ठातागण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Nirbhik India

प्रो0 जिबिलेश : ग्रुप सिंद्धात ब्रहंमाड की समरूपता का व्याख्या करती है

निर्भीक इंडिया संवाददाता गोरखपुर

दूसरे दिन की मुख्य विशेषताओं में से एक जादवपुर यूनिवर्सिटी के प्रो. सोबेनॉय चक्रवर्ती का व्याख्यान रहा, जिसमें उन्होंने राय-चौधारी समीकरण के क्वांटम पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस समीकरण का उपयोग करते हुए क्वांटम भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान के बीच गहरे संबंध को समझाया। यह समीकरण ब्रह्मांडीय विकास और गुरुत्वाकर्षण के जटिल सिद्धांतों को स्पष्ट करता है, और प्रोफेसर चक्रवर्ती ने इसकी क्वांटम व्याख्या से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उनका व्याख्यान वैज्ञानिक समुदाय के लिए बेहद जानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। नेहू यूनिवर्सिटी, शिलॉंग के प्रो. जिबितेश दत्ता ने ब्रह्मांड के विस्तार और ब्रह्मांडीय मॉडल पर चर्चा जारी रखी। उन्होंने ब्रह्मांड की संरचना,स्ट्रक्चरल स्थिरता और ब्रह्मांडीय मॉडल का गतिकीय तंत्र, और सामान्य सापेक्षता के बीच के जटिल संबंधों पर गहराई से बात की। इस सत्र में प्रतिभागियों ने ब्रह्मांडीय रहस्यों और उसकी संरचना को बेहतर तरीके से समझने के लिए कई सवाल किए और उनका समाधान प्राप्त किया। कार्यशाला का दूसरा दिन ज्ञान से भरा रहा, जहां प्रतिभागियों को ब्रह्मांडीय विकास, क्वांटम भौतिकी, और गुरुत्वाकर्षण के गहन सिद्धांतों पर व्याख्यान सुनने और चर्चा करने का मौका मिला।

तीसरे सत्र में प्रो. जिबितेश दत्ता ने ग्रुप थ्योरी की उपयोगिता और इसके सापेक्षता सिद्धांत में महत्व को बारीकी से समझाया। समूह सिद्धांत (Group Theory) और समरूपता पर एक गहन व्याख्यान भी दिया। उन्होंने बताया कि कैसे समूह सिद्धांत, जो गणितीय संरचनाओं को संरक्षित रखने वाले सिद्धांतों पर आधारित है, ब्रह्मांडीय संरचनाओं में समरूपता की व्याख्या करता है। उन्होंने विशेष रूप से समरूपता के संरचना-संरक्षण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की, जिससे प्रतिभागियों को यह समझने में मदद मिली कि ब्रह्मांड में प्राकृतिक घटनाएं और संरचनाएं इस गणितीय नियमों से कैसे जुड़ी हुई हैं।

कार्यशाला के अन्तिम सत्र में आयुका पुणे के प्रोफेसर अप्रतिम गांगुली ने गुरुत्वाकर्षण तरंग विषय ने बताया और प्रतिभागियों को पाईथन सॉफ्टवेयर से गुरुत्वाकर्षण-तरंग अध्ययन में डाटा एनालिसिस के महत्व को समझाया। कार्यशाला में गुरुत्वाकर्षण एवं ब्रह्मांड विज्ञान से संबंधित प्रतिभागियों के लिए क्विज का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के समन्वयक डॉ राजेश कुमार ने बताया कि कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के अलावा, पंजाब, बिहार, इंदौर, कोलकाता, बैंगलोर, पुणे से प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला ने प्रतिभागियों ने चकाओ से अपनी-अपनी जिज्ञासा को शांत किया और नए क्षेत्र में शोध के लिए प्रेरित हुए। कार्यशाला में विभाग के शिक्षक एवं शोध छात्र भी मौजूद रहे

Swatantra Chetna Page - 05

महिला स्वयं में सशक्त हैं: कुलपति

☐ समाज को महिलाओं को कमजोर समझने की मानसिकता बदलनी होगी: प्रो. पूनम

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं हेमवती नन्दन बहुगुणा स्मृति समिति उ.प्र. के संयुक्त तत्वावधान में स्व. कमला बहुगुणा जन्म शताब्दी वर्ष पर क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है? विषय पर वाद- विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चितवन मिश्रा, द्वितीय स्थान प्रकाश पाण्डेय एवं तृतीय स्थान अंजलि शर्मा को मिला। कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर चयनित प्रतिभागी को लखनऊ में आयोजित फाइनल प्रतियोगिता में भेजा जायेगा। वाद-विवाद प्रतियोगिता में कुल 80 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया, जबकि श्रोताओं के रूप 300 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने महिला समानता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि महिला अपने आप में सशक्त है, समाज को उसे कमजोर मानने के नजरिए को बदलना होगा। आज महिला समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपने को स्थापित कर रही है। गोरखपुर विश्वविद्यालय स्वयं महिला समानता और सशक्तिकरण का एक ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ सर्वाधिक मेडल बेटियाँ प्राप्त करती हैं। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने करते हुए कहा कि महिला को समान अवसर मिलने पर ही समाज सशक्त और विकसित होगा। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में समाजशास्त्र विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. संगीता पाण्डेय, प्राणि विज्ञान विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. वीना बत्रा कुशवाहा एवं समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ मनीष पाण्डेय ने संचालन किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनोज कुमार श्रीवस्तव ने हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति की तरफ से विश्वविद्यालय के प्रति आभार ज्ञापन किया। प्रतियोगिता के पश्चात प्रथम तीन प्रतिभागी को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही 80 प्रतिभागियों को सहभागिता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। आज की प्रतियोगिता में प्रथम आए प्रतिभागी को लखनऊ में आयोजित मुख्य प्रतियोगिता में सम्मिलित होना होगा, जहाँ क्रमशः 51,000 रुपए का प्रथम पुरस्कार, 31,000 रुपए का द्वितीय पुरस्कार, 21,000 रुपए तृतीय पुरस्कार एवं अन्य को 2100 रुपए का सांत्वना पुरस्कार व ट्राफी दिया जायेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, सहायक अधिष्ठातागण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Super Fast Times

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन चितवन ने हासिल किया प्रथम स्थान

महिलाएं अपने आप में सशक्त हैं, समाज को महिलाओं को कमजोर समझने की मानसिकता होगी बदलनी : प्रो० पूनम टंडन

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण समिति एवं हेमवती नंदन बहुगुणा स्मारक समिति, उत्तर प्रदेश ने संयुक्त रूप से स्वर्गीय कमला बहुगुणा के जन्म शताब्दी वर्ष पर ह्रक्या महिलाओं को आरक्षण देकर भारत में वास्तविक समानता प्राप्त की जा सकती है? विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में चितवन मिश्रा को प्रथम,प्रकाश पांडेय को द्वितीय और अंजलि शर्मा को तृतीय पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित प्रतिभागी को लखनऊ में आयोजित फाइनल प्रतियोगिता में भेजा जाएगा। वाद-विवाद प्रतियोगिता में 80 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया,जबकि 300 से अधिक छात्र-छात्राएं दर्शक के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो० पूनम टंडन ने महिला समानता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं स्वयं में सशक्त हैं, समाज में उन्हें कमजोर समझने की सोच को बदलना होगा। आज महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अपना स्थान बना रही हैं। गोरखपुर विश्वविद्यालय स्वयं महिला समानता और सशक्तीकरण का एक ज्वलंत उदाहरण है, जहां सबसे अधिक पदक लड़कियां प्राप्त करती हैं। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो० अनुभूति दुबे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को समान अवसर मिलने पर ही समाज सशक्त और विकसित होगा। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में समाजशास्त्र विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो० संगीता पांडेय, जंतु विज्ञान विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो० वीना बत्रा कुशवाहा और समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष के प्रो० अनुराग द्विवेदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक डॉ० मनीष पांडेय ने किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ० मनोज कुमार श्रीवास्तव ने हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति की ओर से विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता के पश्चात प्रथम तीन प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 80 प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले प्रतिभागी को लखनऊ में आयोजित मुख्य प्रतियोगिता में भाग लेना होगा, जिसमें प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 31 हजार रुपए, तृतीय पुरस्कार 21 हजार रुपए और अन्य को सांत्वना पुरस्कार 21 सौ रुपए एवं ट्रॉफी प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकगण, सहायक अधिष्ठाता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डीडीयू : गुरुत्वाकर्षण एवं ब्रह्माण्ड विज्ञान विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला सकुशल सम्पन्न

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग और आईकार्ड, भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला "गुरुत्वाकर्षण एवं ब्रह्माण्ड विज्ञान" के दूसरे दिन गुरुवार को विज्ञान के जटिल एवं गहन सिद्धांतों पर व्याख्यान हुए, जिसमें ब्रह्मांडीय विकास एवं क्वांटम सिद्धांतों पर चर्चा की गई।

दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रो० सोबेनॉय चक्रवर्ती का व्याख्यान रहा,जिसमें उन्होंने राय-चौधरी समीकरण के क्वांटम पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस समीकरण का प्रयोग करते हुए उन्होंने क्वांटम भौतिकी एवं ब्रह्माण्ड विज्ञान के बीच गहरे संबंध को समझाया। यह समीकरण ब्रह्मांडीय विकास एवं गुरुत्वाकर्षण के जटिल सिद्धांतों की व्याख्या करता है और प्रो० चक्रवर्ती ने प्रतिभागियों को इसकी क्वांटम व्याख्या से अवगत कराया। उनका व्याख्यान वैज्ञानिक समुदाय के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा। नेहू विश्वविद्यालय,शिलांग के प्रो० जिबितेश दत्ता ने ब्रह्मांड के विस्तार एवं ब्रह्माण्ड संबंधी मॉडल पर चर्चा जारी रखी। उन्होंने ब्रह्मांड की संरचना, संरचनात्मक स्थिरता और ब्रह्मांडीय मॉडलों की गतिशील प्रणाली और सामान्य सापेक्षता के बीच जटिल संबंधों पर गहराई से बात की। इस सत्र में,प्रतिभागियों ने ब्रह्मांडीय रहस्यों और इसकी संरचना को बेहतर ढंग से समझने के लिए कई प्रश्न पूछे और उनके उत्तर प्राप्त किए।